Roll No.
रोल नं.

Code No. 101

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

HINDI - (Core)
हिंदी – (आधार)

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें एवं पूर्णरूप से उनका अनुपालन करें।

निर्धारित समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 80*

नोट :

(i) *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।*

(ii) *प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।*

(iii) *कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 12 प्रश्न हैं।*

(iv) ***कृपया उत्तर-पुस्तिका में किसी भी प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उस प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।***

(v) *इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10:15 बजे किया जाएगा। पूर्वाह्न में 10:15 बजे से 10:30 बजे तक छात्र प्रश्न-पत्र को केवल पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका में कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।*

(vi) *प्रश्न-पत्र को **तीन खंडों** में विभाजित किया गया है - **खंड 'क', खंड 'ख'** और **खंड 'ग'।** सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(vii) *यथासंभव **तीनों** खंडों के प्रश्न के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*

(viii) ***खंड - 'क'** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*

(ix) ***खंड - 'ख'** में पाठ्यपुस्तक 'अभिव्यक्ति और माध्यम' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(x) ***खंड - 'ग'** में पाठ्यपुस्तक 'आरोह' तथा 'वितान' से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(xi) *प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।*

खंड - क

(अपठित बोध) 18 अंक

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **10**

भारत में कृषि की गौरवशाली परंपरा रही है। भारत में सिंधु घाटी सभ्यता में भी कृषि व्यवस्था अर्थव्यवस्था का आधार हुआ करती थी। वैदिक काल में बीजवपन, कटाई आदि क्रियाएं की जाती थीं। हल, हंसिया, चलनी आदि उपकरणों का चलन था तथा इनके माध्यम से गेहूँ, धान, जौ आदि अनेक धान्यों का उत्पादन किया जाता था। चक्रीय परती पद्धति के द्वारा मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाने की परंपरा के निर्माण का श्रेय भी प्राचीन भारत को जाता है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मौर्य राजाओं के काल में कृषि, कृषि उत्पादन आदि को बढ़ावा देने हेतु कृषि अधिकारी की नियुक्ति का वर्णन मिलता है। इसी प्रकार से हमारे देश में सदैव कृषि के महत्व को समझा गया और कृषि उत्पादन की वृद्धि के प्रयास होते रहे हैं। हालांकि भारत की स्वतंत्रता के पूर्व भारतीय कृषि पर सबसे अधिक दुष्प्रभाव पड़ा। यह समय भारतीय कृषि क्षेत्र के शोषण का समयकाल था, जिसके परिणामस्वरूप कृषि की हालत बदतर हो गई।

स्वतंत्र होने के बाद भारत में कृषि में पारंपरिक बीजों का प्रयोग किया जाता था जिनकी उपज अपेक्षाकृत कम थी। उन्हें सिंचाई की कम आवश्यकता पड़ती थी। किसान उर्वरकों के रूप में गाय के गोबर आदि का इस्तेमाल करते थे। वर्ष 1960 के बाद उच्च उपज बीजों का उपयोग शुरू हुआ। इससे सिंचाई और रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ गया। इस कृषि में सिंचाई की अधिक आवश्यकता पड़ने लगी। इसके साथ ही गेहूँ और चावल के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई जिसके कारण इसे हरित क्रांति भी कहा जाता है।

पिछले 60 वर्षों में, भारत में कृषि एक पारंपरिक, निर्वाह उन्मुख कृषि से विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आधारित खेती में बदल गई है। भारत की कृषि क्षेत्र की यात्रा में कुछ महत्वपूर्ण चरण थे जिनमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अहम् भूमिका रही। कृषि विज्ञान अनुसंधानों, उर्वरकों के उपयोग और मृदा संरक्षण अनुसंधान संबंधी कार्यों ने कृषि को नए आयाम दिए। राज्य कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना और उच्च उपज देने वाली किस्मों पर समन्वित अनुसंधान कार्यक्रमों की शुरुआत ने कृषि संबंधी अनुसंधान और हस्तक्षेपों को और मजबूत किया।

(I) गद्यांश की विषयवस्तु आधारित है : **1**

(a) समन्वित कृषि कार्यक्रम

(b) कृषि उत्पादन में विकास

(c) भारतीय कृषि अनुसंधान

(d) भारतीय कृषि व्यवस्था

(II) स्वतंत्रता के बाद कृषि उत्पादन में कमी की मुख्य वजह थी : **1**

(a) उर्वरकों की कमी

(b) उन्नत बीजों की कमी

(c) पारंपरिक बीजों का प्रयोग

(d) सिंचाई की व्यवस्था न होना

(III) निम्नलिखित **कथन** और **कारण** पर विचार करते हुए दिए गए विकल्प से उचित विकल्प चुनकर लिखिए : **1**

कथन : स्वतंत्रता से पूर्व कृषि की हालत बदतर थी।

कारण : अधिकांश शासकों द्वारा कृषि के महत्व को नहीं समझा गया।

(a) **कथन** सही है पर **कारण** गलत है।

(b) **कथन** गलत है पर **कारण** सही है।

(c) **कथन** और **कारण** दोनों सही हैं।

(d) **कथन** और **कारण** दोनों गलत हैं।

(IV) वैदिक काल में किन अनाजों का उत्पादन किया जाता था? **1**

(V) हरित क्रांति से आप क्या समझते हैं? **2**

(VI) पारंपरिक और आधुनिक कृषि के अंतर को स्पष्ट कीजिए। **2**

(VII) कृषि के विकास में भारतीय कृषि अनुसंधान की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **2**

2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **8**

हे वीर बंधु ! दायी है कौन विपद का?
हम दोषी किसको कहें तुम्हारे वध का?
यह गहन प्रश्न; कैसे रहस्य समझायें?
दस-बीस अधिक हों तो हम नाम गिनायें।
पर, कदम-कदम पर यहाँ खड़ा पातक है,
हर तरफ लगाये घात खड़ा घातक है।
घातक है, जो देवता-सदृश दिखता है,
लेकिन, कमरे में गलत हुक्म लिखता है,
जिस पापी को गुण नहीं; गोत्र प्यारा है;
समझो, उसने ही हमें यहाँ मारा है।

जो सत्य जानकर भी न सत्य कहता है,
या किसी लोभ के विवश मूक रहता है,
उस कुटिल राजतंत्री कदर्य को धिक् है,
यह मूक सत्यहंता कम नहीं वधिक है।
चोरों के हैं जो हितू, ठगों के बल हैं;
जिनके प्रताप से पलते पाप सकल हैं;
जो छल-प्रपंच, सबको प्रश्रय देते हैं;
या चाटुकार जन से सेवा लेते हैं;

यह पाप उन्हीं का हमको मार गया है,
भारत अपने घर में ही हार गया है।

(I) भारत का अपने घर में हारने का प्रमुख कारण है : **1**

(a) बलशाली शत्रु
(b) बाहरी जासूस
(c) चाटुकार लोग
(d) धोखेबाज अपने लोग

(II) 'घातक है जो देवता सदृश दिखता है' - पंक्ति से निष्कर्ष निकलता है कि : **1**

(a) अहिंसक, मददगार से ही भय
(b) मृदुभाषी, आकर्षक व्यक्ति धोखेबाज
(c) शांत, सुंदर और सुशील होने का दिखावा करने वाला विश्वसनीय नहीं
(d) अमीर, शक्तिशाली व्यक्ति खतरनाक

(III) निम्नलिखित **कथन**-**कारण** को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से उचित विकल्प छाँटकर लिखिए : **1**

कथन : हम अपनों से ही हारते हैं।

कारण : वे स्वार्थ में लिप्त रहते हैं।

(a) **कथन** गलत है जबकि **कारण** सही है।
(b) **कथन** सही है जबकि **कारण** गलत है।
(c) **कथन** और **कारण** दोनों सही हैं।
(d) **कथन** और **कारण** दोनों सही हैं लेकिन **कारण**, **कथन** की सही व्याख्या नहीं है।

(IV) 'कुटिल' किसे कहा गया है? **1**

(V) कवि के अनुसार गहन प्रश्न किसे कहा गया है और क्यों? **2**

(VI) गुण से अधिक गोत्र से प्यार करने वाले को पापी क्यों कहा गया है? **2**

खंड - ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम से) **22 अंक**

3. निम्नलिखित विषयों में से **किसी एक** पर लगभग **120** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : **1x6=6**
   (I) विद्यालय में एक दिन
   (II) नदी में अचानक बाढ़ आना
   (III) योग की कक्षा में मूर्च्छित होना

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **4x2=8**
   (I) मुद्रित माध्यम से आप क्या समझते हैं ?
   (II) साहित्यिक लेखन से पत्रकारीय लेखन किस प्रकार अलग है ?
   (III) विशेष लेखन सामान्य लेखन से किस प्रकार भिन्न है ?
   (IV) कहानी को नाटक में बदलने के लिए नाटक की किन विशेषताओं को ध्यान में रखना चाहिए ?
   (V) किसी भी विचार को कहना आसान होता है लेकिन लिखना कठिन होता है, क्यों ?

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **80** शब्दों में लिखिए : **2x4=8**
   (I) समाचार लेखन के छह ककारों को स्पष्ट कीजिए।
   (II) फीचर लेखन क्या है ? फीचर लेखन की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।
   (III) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ? उनकी विशेषताएँ बताते हुए मुख्य अंतर स्पष्ट कीजिए।

खंड - ग

(आरोह और वितान से) **40 अंक**

6. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5x1=5**

सबसे तेज़ बौछारें गईं भादो गया
सवेरा हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नयी चमकीली साइकिल तेज़ चलाते हुए
घंटी बजाते हुए ज़ोर-ज़ोर से
चमकीले इशारों से बुलाते हुए
पतंग उड़ाने वाले बच्चों के झुंड को
चमकीले इशारों से बुलाते हुए और
आकाश को इतना मुलायम बनाते हुए
कि पतंग ऊपर उठ सके-

(I) शरद किस प्रकार से आता है? **1**

(a) खरगोश की तरह

(b) पुलों को पार कर

(c) साइकिल पर सवार होकर

(d) आकर्षित करते हुए

(II) सबसे तेज बौछारें गईं – का आशय है : **1**

(a) सावन बीत गया

(b) वर्षा ऋतु चली गई

(c) तेज पानी नहीं पड़ना

(d) अब पानी गिरना बंद हो गया

(III) शरद ऋतु के आगमन को कवि ने किस रूप में चित्रित किया है? **1**

(a) साइकिल सवार के रूप में

(b) ऋतु चक्र परिवर्तन के रूप में

(c) नयी चमकीली साइकिल के रूप में

(d) सुन्दर, मनोहारी दृश्य के रूप में

(IV) खरगोश की आँखों की विशेषता होती है : **1**

(a) छोटी होती हैं

(b) बड़ी होती हैं

(c) लाल होती हैं

(d) चमकीली होती हैं

(V) पतंग का ऊपर उठने से क्या अभिप्राय है? **1**

(a) चिंतन शक्ति का आकार लेना

(b) भावनाओं को उड़ने देना

(c) कल्पनाओं को विस्तार देना

(d) आकांक्षाओं का अग्रसर होना

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2x3=6**

(I) ''मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ'' – पंक्ति के आलोक में कवि के व्यक्तित्व पर टिप्पणी कीजिए।

(II) कविता की उड़ान को चिड़िया क्यों नहीं समझती?

(III) कवि तुलसीदास ने जंगल की आग से भी बड़ी आग किसे माना है और क्यों?

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2x2=4**

(I) बच्चा अपनी माँ के चेहरे को प्यार से क्यों देख रहा है? 'रूबाइयों' के आधार पर लिखिए।

(II) ''क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से,
सदा छलकता नीर'' - पंक्ति का भाव लिखिए।

(III) उषा का जादू टूटने से क्या अभिप्राय है?

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : **5x1=5**

शिरीष के वृक्ष बड़े और छायादार होते हैं। पुराने भारत का रईस जिन मंगल-जनक वृक्षों को अपनी वृक्ष-वाटिका की चहारदीवारी के पास लगाया करता था, उनमें एक शिरीष भी है। अशोक, पुन्नाग, अरिष्ट और शिरीष के छायादार और घनमसृण हरीतिमा से परिवेष्टित वृक्ष-वाटिका जरूर ही बड़ी मनोहर दिखती होगी। वात्स्यायन ने 'कामसूत्र' में बताया है कि वृक्ष-वाटिका में सघन छायादार वृक्षों की छाया में ही झूला लगाया जाना चाहिए। यद्यपि पुराने कवि बकुल के पेड़ में ऐसी दोलाओं को लगा देखना चाहते थे, पर शिरीष भी क्या बुरा है! डाल इसकी अपेक्षाकृत कमज़ोर जरूर होती है, किंतु उसमें झुलनेवालियों का वज़न भी तो बहुत ज्यादा नहीं होता। कवियों की यही तो बुरी आदत है कि वजन का एकदम खयाल नहीं करते।

(I) शिरीष के वृक्ष की विशेषता होती है : **1**

(a) बड़े होते हैं

(b) मजबूत होते हैं

(c) छायादार होते हैं

(d) बड़े सघन छायादार होते हैं

(II) रईस लोगों द्वारा शिरीष को पसंद किए जाने के सबसे प्रमुख कारण हैं : **1**

(a) बड़े होने से

(b) छायादार होना

(c) मंगलकारी होना

(d) सुन्दर लगने से

(III) वृक्ष-वाटिका के मनोहर होने के कारणों में से प्रमुख है : **1**

(a) छोटे सुंदर पेड़ होने से

(b) क्रम में लगे वृक्षों से

(c) गहरे हरे एवं चिकने वृक्षों से

(d) चमकदार रंगों से

(IV) निम्नलिखित **कथन** और **कारण** को ध्यान से पढ़िए तथा विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए : **1**

कथन : पुराने कवि बकुल के पेड़ में झूलों को देखना चाहते थे।

कारण : झूलने वाली का वजन कम रहता है।

(a) **कथन** सही नहीं है जबकि **कारण** सही है।

(b) **कथन** और **कारण** दोनों सही नहीं हैं।

(c) **कथन** सही है और **कारण** भी उचित है।

(d) **कथन** सही है लेकिन **कारण**, **कथन** के संदर्भ में उचित नहीं है।

(V) ''कवि की बुरी आदत है कि भार का एकदम ध्यान नहीं करते।'' इससे यह स्पष्ट होता है कि - **1**

(a) उन्हें यथार्थ की समझ होती है।

(b) वे कल्पनाशील होते हैं।

(c) कवि आदत से लाचार होते हैं।

(d) सौन्दर्य चित्रण में यथार्थ की उपेक्षा कर देते हैं।

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए : **2x3=6**

(I) 'बाजार-दर्शन' के आधार पर 'बाजार का जादू चढ़ने और उतरने' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(II) भक्तिन अच्छी है, यह कहना कठिन होगा - महादेवी की दृष्टि में कथन को स्पष्ट कीजिए।

(III) डॉ. भीमराव अंबेडकर के अनुसार आदर्श समाज के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए : **2x2=4**

(I) 'कुत्तों में परिस्थितियों को ताड़ने की एक विशेष बुद्धि होती है' 'पहलवान की ढोलक' पाठ के संदर्भ में कथन की पुष्टि कीजिए।

(II) 'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति' -'काले मेघा पानी दे' पाठ के संदर्भ में कथन पर विचार कीजिए।

(III) पर्चेजिंग पावर से क्या अभिप्राय है? 'बाज़ार-दर्शन' पाठ के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग **100** शब्दों में लिखिए : **2x5=10**

(I) यशोधर बाबू को बच्चों की तरक्की अच्छी भी लगती है और 'समहाउ इंप्रापर' - भी विवेचना कीजिए।

(II) 'जूझ' कहानी प्रतिकूल परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। किन्हीं दो उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(III) 'सिंधु सभ्यता की खूबी उसका सौन्दर्य-बोध है जो राज-पोषित न होकर समाज पोषित था।' - ऐसा क्यों कहा गया है?

- o O o -